मुलायम सिंह यादव मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

5 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित पद्म पुरस्कार (द्वितीय संस्करण) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत **(Posthumously)** पद्म विभूषण से सम्मानित किया। उनकी तरफ से यह सम्मान उनके बेटे अखिलेश यादव ने ग्रहण किया।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि मुलायम सिंह यादव का लंबी बीमारी के बाद पिछले साल अक्टूबर में निधन हो गया था। मुलायम सिंह उस वक्त मैनपुरी सीट से लोकसभा सांसद थे। यह सीट रिक्त होने के बाद कराए गए चुनाव में उनकी बहू डिंपल यादव निर्वाचित होकर लोकसभा पहुँची हैं।
- उल्लेखनीय है कि मुलायम सिंह यादव का राजनीतिक करियर काफी लंबा रहा। वह उत्तर प्रदेश के तीन बार सीएम और नौ बार विधायक रहे। अपने राजनीतिक जीवन में उन्हें रक्षा मंत्रालय जैसी अहम जिम्मेदारी भी मिली थी।
- 2023 में मुलायम सिंह यादव के अलावा कर्नाटक के पूर्व सीएम एसएम कृष्णा, मणिपुर में बीजेपी के अध्यक्ष थौनाओजम चौबा सिंह और त्रिपुरा के दिवंगत नेता नरेंद्र चंद्र देबबर्मा को भी पद्म विभूषण दिया गया है।
- विदित है कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या को पद्म पुस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा हुई थी। उनमें से एक नाम उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम दिवंगत मुलायम सिंह यादव का भी था।
- गौरतलब है कि पद्म विभूषण सम्मान भारत सरकार की ओर से दिये जाने वाला दूसरा उच्च नागरिक सम्मान है। इस साल कुल 106 लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिनमें 6 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्म श्री सम्मान शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mulayam-singh-yadav-posthumously-awarded-padma-vibhushan